संस्कृतविभागः जामियामिल्लियाइस्लामिया नवदेहलीस्थः
(राष्ट्रियमूल्याङ्कनपरिषदा A++ श्रेण्या प्रत्यायितः केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)
Department of Sanskrit, Jamia Millia Islamia, New Delhi 110 025
(NAAC Accredited A++ Central University)

बहुविषयक स्नातक उपाधि-संस्कृत : पाठ्यक्रम विवरण

Multidisciplinary Bachelor's Degree in Sanskrit: Course Descriptions

Major/Core Papers

सेमेस्टर-02 **24-SAN-C-150**	**गीतायां प्रबन्धनसिद्धान्ताः** **Principles of Management in the Gita**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	देवनागरी लिपि और संस्कृत भाषा की पृष्ठभूमि अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	श्रीमद्भगवद्गीता में प्रतिपादित प्रबन्धन के सिद्धान्तों का मानव की दैनिक जीवन की समस्याओं से तारतम्य स्थापित कर सकेंगे।

इकाई 01:	प्रबन्धन : अर्थ एवं परिभाषा, प्रबन्धन का भारतीय स्वरूप एवं पाश्चात्य स्वरूप, श्रीमद्भगवद्गीता की पृष्ठभूमि, कुरुक्षेत्र युद्ध के कारण
इकाई 02:	मानसिक द्वन्द्व, मन एवं मन निग्रह के साधन
इकाई 03:	कर्म तत्त्व एवं प्रबन्धन
इकाई 04:	ज्ञान के सिद्धान्त, भक्तितत्त्व एवं प्रबन्धन

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. गीता-साधक-संजीवनी (कोड-6), स्वामी रामसुखदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
2. भगवत् गीता में प्रबंधन, हेमलता, हंसा प्रकाशन, जयपुर
3. गीता में आत्मप्रबन्धन, दीपक कालिया, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. गीता में आत्मप्रबन्धन, विनोद कुमार, परिमल प्रकाशन, दिल्ली
5. गीता में आत्म प्रबन्धन, राजेन्द्र कुमार, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
6. Management Paradigms from Bhagavad Gita, B Mahadevan, Indian Institute of Management, Bangalore
7. Bhagavad Gita and Management, M.P. Bhattathiri (Retired Chief Technical Examiner, Govt. of Kerala)
8. The Holy Geeta, Chinmayanand, Chinmaya Publication, Mumbai
9. Universal Message of the Bhagavad Gita, Swami Ranganathananda, 3-Volumes, Advaita Ashrama, Kolkata
10. 6. Essays on Gita, Shri Aurobindo, Shri Aravind Ashram, Pondichery

सेमेस्टर-02 **24-SAN-C-151**	**गद्यकाव्यम्** **Prose**
क्रेडिट :04	कुल अङ्क : 100 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 25 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 75 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	देवनागरी लिपि और संस्कृत भाषा की पृष्ठभूमि अपेक्षित।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* संस्कृत गद्यकाव्य परम्परा से अवगत होंगे। * संस्कृत वाङ्मय कथा साहित्य से परिचित होंगे। * संस्कृत शब्दों की विशिष्ट प्रयोग विधि का साक्षात्कार होगा। * पञ्चतन्त्रम् की शिक्षाओं और इनकी दैनिक जीवन में व्यवहारिकता के मध्य तारतम्य स्थापित कर सकेंगे।

इकाई 01:	कादम्बरी-शुकनासोपदेश
इकाई 02:	
इकाई 03:	पञ्चतन्त्रम् (तृतीयतन्त्रम्-काकोलूकीयम्)
इकाई 04:	

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. शुकनासोपदेश, रामपाल शास्त्री, चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली
2. शुकनासोपदेश, रमाकान्त झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. श्रीविष्णुशर्मप्रणीतं पञ्चतन्त्रम्, श्यामचरण पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. The Kadambari of Bana, C.M. Ridding, MLBD, Delhi
5. Panchatantra-Five Wise Lessons, Krishna Dharma, MLBD, Delhi
6. Panchatantra (Translated from the Sanskrit by Arthur W. Ryder, MLBD, Delhi
7. Panchatantra or Gems of Indian Thought, Vijay Narain, chaukhambha Sanskrit Pratishthan, Varanasi